Daily Gospel Reflections in Hindi

08 June 2019

मत्ति 18:23-35

FORGIVE WITHOUT ANY LIMIT

निर्दय सेवक के दृष्टांत के द्वारा येसु दूसरों पर दया दिखाने की आवश्यकता के बारे में बताते हैं। येसु से पूछता है कि मुझे कितनी बार मेरे भाई से क्षमा करना चाहिए? तब येसु कहते है बिना किसी सीमा से। और इस बात को गहराई से समझाने के लिए येसु निर्दय सेवक का दृष्टांत सुनाते हैं। वचन कहता है कि राजा अपने सेवकों से लेखा देना चाहता था। हमारा हर एक काम का लेखा ईश्वर रखते है। चाहे हम चले, बैठे, लेटे सब कुछ प्रभु जनता है। इसलिए यह सोच हमारे मन में होना चाहिए कि येसु सब कुछ देखते है और जानते है।

इस दृष्टान्त में राजा एक सेवक का कर्ज पूरा–पूरा माफ करता है लेकिन वह सेवक अपने सह सेवक का कर्ज चुकाने उसे समय भी नहीं देता बदले उसे दंड देता है। ये दोनों सेवक के कर्ज में बहुत अंतर है। पहला सेवक का कर्ज था लाखों रूपया और दूसरा सेवक का कुछ रूपया। एक दीनार एक दिन की मजदूरी है लेकिन एक talent छह हजार दीनार के बराबर है। ईश्वर हमें कितनी कृपा प्रदान करते है, दया दिखाते है लेकिन क्या हम अपने भाइयों की छोटी सी गलति क्षमा नहीं कर सकते हैं ?

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019